Daily Current Affairs

Date : 12 July, 2025

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	माँ (MAA) योजना राजस्थान : मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना
2.	मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025
3.	इंडियन रेस्पोंसिबल टूरिज्म अवार्ड 2025
4.	ग्रीन हाइड्रोजन हब
5.	पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा 2025
6.	नागरी प्रचारिणी सभा
7.	भारत का मराठा सैन्य परिदृश्य
8.	सेवदास साधु शिव मंदिर
9.	संचार मित्र योजना
10.	ई-ट्रक प्रोत्साहन योजना
11.	मछली की एक नई प्रजाति: पेथिया डिब्रूगढ़ेंसिस
12.	जापोनिका राइस (चावल) की नई किस्म
13.	तीन नए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (SPR)
14.	ग्रेट हॉर्नबिल
15.	असम में गज मित्र योजना
16.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. इटली ने पहली बार T-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप – 2026 क्वालिफाई किया 2. MCC में सचिन की पेंटिंग 3. 'अस्त्र' मिसाइल

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

माँ (MAA) योजना राजस्थान : मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना

➲ चर्चा में क्यों?

- हालिया आँकड़ों के अनुसार माँ योजना से प्रदेश के 43 लाख से अधिक लाभार्थियों को 5 हजार करोड़ रूपये से अधिक का निःशुल्क उपचार प्राप्त हो चुका है।

➲ मुख्य बिंदु :

- यह योजना मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर केंद्रित है। जिसमें गर्भवती महिलाओं को प्रसव से पहले, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही हैं।
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित यह योजना राजकीय क्षेत्र की पहली ऐसी योजना है, जिसमें सामान्य बीमारी से लेकर रोबोटिक सर्जरी, एलौपैथी से लेकर आयुष पद्धति तक और बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर विधा में हर वर्ग के लिए उपचार के पैकेज शामिल हैं।
- मां योजना के दायरे को बढ़ाने के लिए इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू कर, योजना के पैकेज को 1800 से बढ़ाकर लगभग 2300 कर दिया गया है।
- योजना में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए 73 डेकेयर पैकेज एवं 419 पीडियाट्रिक पैकेज शामिल किए हैं।
- इस योजना हेतु 3500 करोड़ रूपये का कोष भी गठित किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- बजट 2025-26 की घोषणा के अनुसार इस योजना में रोबोटिक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी एण्ड स्किन ट्रांसप्लांट, कार्डियोथोरेसिक एण्ड वेस्कुलर सर्जरी के पैकेज, 70 वर्ष से अधिक के लोगों के लिए जीरियाट्रिक केयर पैकेज, विशेष योग्यजनों के लिए नए पैकेज, किशोरों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए पैकेज, ओरल कैंसर तथा आयुष पद्धतियों से इलाज के लिए नए पैकेज जोड़े गए हैं।
- इस कार्यक्रम के तहत, पात्र परिवारों को एक ई-कार्ड जारी किया जाता है, जिससे वे बिना किसी वित्तीय बोझ के सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

मां वाउचर योजना -

- **पायलट प्रोजेक्ट रूप में शुरुआत :** 8 मार्च, 2024 (बारां, भरतपुर, फलौदी)
- **सम्पूर्ण प्रदेश में शुभारंभ :** 8 अगस्त, 2024।
- **संपूर्ण प्रदेश में लागू :** 17 सितंबर, 2024।
- **उद्देश्य :**
  - सुरक्षित प्रसव एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाना।
  - इस योजना के तहत 84 दिन या उससे अधिक दिन की गर्भवती महिलाओं को राजकीय सोनोग्राफी केन्द्रों के साथ-साथ निजी सोनोग्राफी केन्द्रों पर भी नि:शुल्क सोनोग्राफी सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **लाभ :**
  - योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को उनके मोबाइल नंबर पर SMS द्वारा QR कोड आधारित ई-वाउचर मिलेगा।
  - इस वाउचर से महिलाएं निःशुल्क सोनोग्राफी करा सकेंगी।
  - इस वाउचर की वैधता 30 दिवस होगी तथा यदि किसी कारण से तय समय में महिला सोनोग्राफी नहीं करा पाती हैं तो वह दोबारा चिकित्सा संस्थान पर जाकर उसकी अवधि 30 दिन तक के लिए और बढ़ा सकती हैं। ऐसा केवल एक ही बार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना :

- **योजना का प्रारंभ :** राज्य में 30 जनवरी, 2021 से लागू आयुष्मान भारत-महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना का दायरा बढ़ा कर पूरे प्रदेश को स्वास्थ्य बीमा का लाभ उपलब्ध कराने हेतु दिनांक 1 मई, 2021 से प्रदेश में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की शुरुआत की गई है।
- **पैकेज :** योजना के अन्तर्गत विभिन्न बीमारियों के 1798 प्रकार के पैकेजेज एवं प्रोसिजर्स उपलब्ध है।
- अस्पताल में भर्ती होने के 5 दिन पहले एवं डिस्चार्ज के 15 दिन तक जांचों, दवाइयों एवं डॉक्टर के परामर्श शुल्क का व्यय उस पैकेज की राशि में सम्मिलित है।
- **योजना की विशेषताएं :**
  - राजस्थान के प्रत्येक परिवार हेतु 25 लाख का केशलेस बीमा कवरेज की सुविधा।
  - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और सामाजिक आर्थिक जनगणना 2011 के लाभार्थियों को पंजीकरण करवाने की आवश्यकता नहीं। बीमा प्रीमियम राज्य सरकार द्वारा वाहन किया जाएगा।
  - इसके अलावा अन्य परिवारों को रु850 प्रति वर्ष प्रीमियम का भुगतान करना होगा।
  - आवेदन करने के लिए जन आधार नंबर या जन आधार पंजीयन रसीद होना अनिवार्य।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025

➲ चर्चा में क्यों?

- **11 जुलाई, 2025 को राज्य सरकार ने भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणी सदस्यों के हित में मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 की अवधि बढ़ा दी गई है।**
- **इस योजना के तहत पात्र ऋणी 30 सितंबर, 2025 तक न्यूनतम 25 प्रतिशत राशि जमा करवा सकेंगे।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ मुख्य बिंदु :

- मुख्यमंत्री ने भूमि विकास बैंकों के माध्यम से राज्य सरकार की 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना में दीर्घकालीन कृषि व गैर-कृषि निवेश ऋण भी वितरित किए हैं।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना (CM-OTS) :

- राजस्थान सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणी सदस्यों को राहत प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना 2025-26' (CM OTS) को लागू किया गया।
- **उद्देश्य :** उन किसानों को राहत देना है, जिनका भूमि विकास बैंकों से लिए गए ऋण का भुगतान समय पर नहीं हो पाया है और जिनका खाता "अवधिपार" श्रेणी में चला गया है। इस योजना के तहत पात्र ऋणधारी यदि केवल मूलधन जमा कर देते हैं, तो राज्य सरकार उनकी संपूर्ण अवधिपार ब्याज राशि को माफ कर देती है।
- अवधिपार मूलधन और बीमा प्रीमियम की सम्पूर्ण राशि ऋणी द्वारा जमा कराए जाने पर राज्य सरकार द्वारा अवधिपार ब्याज और दण्डनीय ब्याज में 100 प्रतिशत राहत दी जाएगी।
- योजना में पूर्व में वसूली के लिए नीलामी के दौरान भूमि विकास बैंकों के नाम क्रय की गई भूमि, किसानों को वापस लौटाए जाने का प्रावधान किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इंडियन रेस्पोंसिबल टूरिज्म अवार्ड 2025

➲ चर्चा में क्यों?

- 11 जुलाई, 2025 को होटल क्लार्क्स आमेर में राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से आउटलुक द्वारा आयोजित भारतीय जिम्मेदार पर्यटन पुरस्कार 2025 के तीसरे संस्करण में भारतीय जिम्मेदार पर्यटन पुरस्कार 2025 प्रदान किए गए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ मुख्य बिंदु :

- यह पुरस्कार पर्यावरण, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक - स्थिरता के सभी स्तंभों पर किए गए असाधारण प्रयासों हेतु प्रदान किये जाते हैं।
- चोखी ढाणी रिज़ॉर्ट को अपने संचालन में स्थायी प्रथाओं को सफलतापूर्वक एकीकृत करने, पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय संस्कृति के संरक्षण और समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव हेतु "सस्टेनेबल लीडरशिप: होटल्स" श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्रदान किया गया।
- इस अवसर पर राजस्थान की पर्यटन मंत्री द्वारा राजस्थान में पर्यटन विभाग की ओर राज्य पर्यटन पुरस्कार 2025 को आरंभ करने की घोषणा की।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु

- वर्ष 2024 में राजस्थान ने 23 करोड़ से अधिक घरेलू यात्रियों और 21 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान आगमन हुआ। जिससे राजस्थान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या के मामलों में पाँचवाँ सबसे अधिक पर्यटकों द्वारा भ्रमण किया जाने वाला देश बन गया है।
- इस वर्ष के बजट में ₹5,000 करोड़ का पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष (RTICF) की स्थापना की गई।

भारत पर्यटन परिदृश्य : प्रमुख राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकताएं

- भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक एक ट्रिलियन डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था बनना है।
- विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक, 2024 में भारत 39वें स्थान पर है।
- वित्त वर्ष 2023 में पर्यटन से 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा आय प्राप्त हुई हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान: प्रमुख क्षेत्र का प्रदर्शन

- पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है।
- पर्यटन क्षेत्र राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 12% का योगदान कर्ता है।
- वर्ष 2023 में 179 मिलियन घरेलू पर्यटक और 1.7 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक राजस्थान आए।
- वर्ष 2022 में राजस्थान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के मामले में 7वें स्थान पर रहा।
- 'तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान' (प्रसाद) योजना के अंतर्गत, पुष्कर/अजमेर के एकीकृत विकास को एक परियोजना के रूप में अनुमोदित किया गया। इसके अतिरिक्त, बीकानेर जिले में श्री करणी माता मंदिर और कोटा जिले के बूढ़ाहिता में सूर्य मंदिर को प्रमुख स्थलों के रूप में मान्यता दी गई।
- स्वदेश दर्शन 2.0 (SD 2.0) के अंतर्गत राजस्थान में विकास के लिए बूंदी (केशोरायपाटन) और जोधपुर को चिह्नित किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ग्रीन हाइड्रोजन हब

➲ चर्चा में क्यों?

- **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) जोधपुर द्वारा प्रायोजित सेक्शन 8 कंपनी, GHV इनोवेशन फाउंडेशन में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर लगभग 205 करोड़ रुपए की लागत से उत्तर भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन हब स्थापित किया जाएगा।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **समझौता ज्ञापन :** 'राइजिंग राजस्थान समिट' में IIT जोधपुर और राजस्थान सरकार के मध्य हस्ताक्षरित MOU के तहत स्थापित किया जाएगा।
- यह भुवनेश्वर (पूर्व), पुणे (पश्चिम) और केरल (दक्षिण) में स्थित क्लस्टर्स के बाद देश के चौथा और उत्तर भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन क्लस्टर होगा।
- **हरित हाइड्रोजन का उत्पादन :** क्लस्टर में प्रतिवर्ष 350 टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन अपशिष्ट जल से किया जाएगा। इसमें क्षारीय जल इलेक्ट्रोलाइजर और सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाएगा। साथ ही 15 टन प्रतिवर्ष बायोमास से हाइड्रोजन उत्पादन होगी।
- **उद्देश्य :** ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, हरित पर्यटन, निर्यात प्रोत्साहन और भारत के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करना।
- **रोजगार सृजन :** ग्रीन हाइड्रोजन क्लस्टर निर्माण से वर्ष 2030 तक 60 हजार से अधिक रोजगार सृजित होंगे।
- PPP मोड पर संचालित क्लस्टर में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन में 1 से 3 डॉलर प्रति किलोग्राम की लागत आएगी।
- **ग्रीन हाइड्रोजन का प्रयोग :** यह हाइड्रोजन परिवहन, उद्योगों के लिए अमोनिया उत्पादन और सिटी गैस वितरण नेटवर्क में मिश्रण के रूप में प्रयोग होगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा 2025

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **24 जून से 9 जुलाई, 2025 तक पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा समाज का आयोजन किया गया।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में राजस्व, चिकित्सा, शिक्षा, पंचायतीराज, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, श्रम, कृषि, विद्युत, जलदाय, खाद्य एवं आपूर्ति जैसे विभागों के प्रतिनिधि द्वारा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान कर समस्याओं का त्वरित निराकरण किया।**
- **यह अभियान 'लक्ष्य अंत्योदय, प्रण अंत्योदय, पथ अंत्योदय' के तहत आयोजित किया गया।**
- **यह पखवाड़ा राजस्थान सरकार की 'आपणो अग्रणी राजस्थान' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

नागरी प्रचारिणी सभा

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **हिंदी और देवनागरी के प्रचार-प्रसार के लिए नागरी प्रचारिणी सभा ने महाराष्ट्र और तमिलनाडु के भाषाई संघर्ष के दशकों बाद अपना प्रकाशन पुनः प्रारम्भ किया।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

नागरी प्रचारिणी सभा :

- **उपनाम : काशी नागरी प्रचारिणी सभा।**
- **स्थापना : 16 जनवरी, 1893 को श्याम सुंदर दास, पंडित रामनारायण मिश्र और ठाकुर शिवकुमार सिंह द्वारा में क्वींस कॉलेज, वाराणसी में की गई थी।**
- **प्रारंभिक संरक्षण : बाबू राधाकृष्ण दास द्वारा।**
- **मुख्यालय : वाराणसी (शाखाएँ ; नई दिल्ली और हरिद्वार)।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उद्देश्य :** देवनागरी वर्णमाला और हिंदी भाषा को बढ़ावा देना।
- सभा ने वर्ष 1929 में "शब्द सागर" नामक 11 खंडों वाला एक व्यापक हिंदी शब्दकोश प्रकाशित किया। इस शब्दकोश की प्रस्तावना का लेखन आचार्य रामचंद्र शुक्ल और श्याम सुंदर दास द्वारा किया गया था ।
- **स्वतंत्रता के पश्चात् :** स्वतंत्रता के बाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू नागरी प्रचारिणी सभा के संरक्षक बने।

शोध पत्रिकाएं :

- **नागरी प्रचारिणी पत्रिका :**
  - वर्ष 1896 से प्रकाशित हो रही है।
  - भारत की हिंदी शोध पर आधारित सबसे पुरानी और सर्वाधिक प्रामाणिक पत्रिका हैं।
- **सरस्वती :**
  - इस हिंदी पत्रिका का प्रकाशन वर्ष 1900 में शुरू हुआ।
  - **संपादक :** पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी।
- **पुस्तकालय स्थापना :** वर्ष 1896 में आर्य भाषा पुस्तकालय की स्थापना की गई, जो भारत का सबसे बड़ा हिंदी पुस्तकालय बन गया।
- **सांस्कृतिक योगदान :** भारत कला भवन संग्रहालय का प्रबंधन किया, जिसे बाद में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में स्थानांतरित कर दिया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत का मराठा सैन्य परिदृश्य

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, यूनेस्को के विश्व धरोहर समिति के 47वें सत्र में 'भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य' को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया हैं।

मुख्य बिंदु :

- यह यूनेस्को की मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का 44वाँ विश्व धरोहर स्थल बन गया है।
- यह प्रस्ताव जनवरी 2024 में विश्व धरोहर समिति के विचारार्थ भेजा गया था।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मराठा सैन्य परिदृश्य:

- 17वीं से 19वीं शताब्दी तक, भारत का मराठा सैन्य परिदृश्य बारह किलों का एक असाधारण नेटवर्क था जो मराठा साम्राज्य की रणनीतिक सैन्य दृष्टि और स्थापत्य कला की प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।
- इन बारह भव्य किलों में से ग्यारह महाराष्ट्र में और एक तमिलनाडु में है।
- महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्यों में फैले, चयनित स्थलों में तमिलनाडु में जिंजी किले के साथ-साथ महाराष्ट्र में सालहेर, शिवनेरी, लोहगढ़, खंडेरी, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, विजयदुर्ग और सिंधुदुर्ग शामिल हैं।

यूनेस्को (यूनेस्को):

- **स्थापना:** 1945 में, राष्ट्र संघ की बौद्धिक सहयोग समिति के उत्तराधिकारी के रूप में।
- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्रांस।
- **सदस्यता:** 193 सदस्य देश, 11 सहयोगी सदस्य और विभिन्न NGO/ निजी साझेदार।
- **उद्देश्य:** शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार के माध्यम से विश्व शांति, सतत विकास, और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना।

प्रमुख कार्यक्षेत्र:

- शिक्षा
- प्राकृतिक विज्ञान
- सामाजिक और मानव विज्ञान
- संस्कृति
- संचार और सूचना

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संरचना:

- सामान्य सम्मेलन हर दो साल में कार्यक्रम और बजट तय करता है।
- कार्यकारी बोर्ड संचालन की निगरानी करता है।
- महानिदेशक (हर 4 साल में नियुक्त) संस्था का प्रमुख प्रशासक होता है।

भारत में 43 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल:

क्र.सं.	साइटों का नाम	वर्ष	जगह
1	अजंता की गुफाएँ	1983	महाराष्ट्र
2	एलोरा की गुफाएँ	1983	महाराष्ट्र
3	आगरा किला	1983	आगरा
4	ताजमहल	1983	आगरा
5	सूर्य मंदिर	1984	उड़ीसा
6	महाबलीपुरम स्मारक	1984	तमिलनाडु
7	काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	1985	असम
8	केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	1985	राजस्थान
9	मानस वन्यजीव अभयारण्य	1985	असम
10	गोवा के चर्च और कॉन्वेंट	1986	गोवा
11	खजुराहो के स्मारक	1986	मध्य प्रदेश
12	हम्पी के स्मारक	1986	कर्नाटक
13	फतेहपुर सीकरी	1986	आगरा

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

14	एलिफेंटा गुफाएँ	1987	महाराष्ट्र
15	महान जीवित चोल मंदिर	1987	तमिलनाडु
16	पट्टाडकल स्मारक	1987	कर्नाटक
17	सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान	1987	पश्चिम बंगाल
18	नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान	1988	उत्तराखंड
19	बुद्ध के स्मारक	1989	सांची, मध्य प्रदेश
20	हुमायूँ का मकबरा	1993	दिल्ली
21	कुतुब मीनार और उसके स्मारक	1993	दिल्ली
22	दार्जिलिंग, कालका शिमला और नीलगिरि के पर्वतीय रेलमार्ग	1999	दार्जिलिंग
23	महाबोधि मंदिर	2002	बिहार
24	भीमबेटका रॉक शेल्टर्स	2003	मध्य प्रदेश
25	छत्रपति शिवाजी टर्मिनस	2004	महाराष्ट्र
26	चंपानेरपावागढ़ पुरातत्व पार्क	2004	गुजरात
27	लाल किला	2007	दिल्ली
28	जंतर मंतर	2010	दिल्ली
29	पश्चिमी घाट	2012	कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र
30	पहाड़ी किले	2013	राजस्थान

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

31	रानी की वाव (रानी की बावड़ी)	2014	गुजरात
32	ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क	2014	हिमाचल प्रदेश
33	नालंदा	2016	बिहार
34	कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान	2016	सिक्किम
35	ले कोर्बुसिए का वास्तुशिल्प कार्य (कैपिटल कॉम्प्लेक्स)	2016	चंडीगढ़
36	ऐतिहासिक शहर	2017	अहमदाबाद
37	विक्टोरियन गोथिक और आर्ट डेको कलाकारों की टुकड़ी	2018	मुंबई
38	गुलाबी शहर	2019	जयपुर
39	काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर	2021	तेलंगाना
40	धोलावीरा	2021	गुजरात
41	शांति निकेतन	2023	पश्चिम बंगाल
42	बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा के होयसल मंदिर	2023	कर्नाटक
43	मोदीअम्स	2024	असम

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

सेवदास साधु शिव मंदिर

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **7 जुलाई, 2025 में त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीयों के आगमन के 180 वर्ष पूरे हो गए।**
- **हाल ही में, पोर्ट ऑफ स्पेन में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैरिबियन देशों में भारतीय मूल की हस्तियों के योगदान पर प्रकाश डाला।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **भोजपुरी और अवधी क्षेत्रों के भारतीय पहली बार वर्ष 1845 में त्रिनिदाद और टोबैगो पहुँचे थे।**

प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेखित हस्तियाँ :

1. डॉ. रुद्रनाथ कपिलदेव (1920-70) : गणितज्ञ और राजनीतिज्ञ।

2. सुंदर पोपो : त्रिनिदाद के संगीतकार,

3. वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज डैरेन गंगा,

4. सेवादास साधु :

- **वर्ष 1947 में, सबसे पहले चीनी कंपनी टेट एंड लाइल लिमिटेड की ज़मीन पर मंदिर का निर्माण किया था।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सेवदास साधु शिव मंदिर :

- **मंदिर का निर्माण :** भारत के एक गिरमिटिया मजदूर सेवदास साधु ने वर्ष 1952 में पारिया की खाड़ी में मूल मंदिर का निर्माण किया था।
- **अवस्थित :** वाटरलू, करापिचाइमा कोवा-तबाक्विटे-तलपारो, त्रिनिदाद और टोबैगो में एक हिंदू मंदिर।
- **स्थापत्य और सांस्कृतिक महत्व :** इसमें उत्कृष्ट हिंदू स्थापत्य कला के तत्व अष्टकोणीय, एक मंजिला, रंगीन गोपुरम, गुंबददार मंडप और अलंकृत छतें शामिल हैं।
- यह मंदिर भारतीय-त्रिनिदाद समुदाय के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

संचार मित्र योजना

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (DOT) के क्षेत्रीय कार्यालय, असम LSA ने गुवाहाटी में युवाओं को डिजिटल एम्बेसेडर के रूप में सशक्त बनाने के लिए सम्पूर्ण भारत में संचार मित्र योजना शुरू की।

मुख्य बिंदु :

- **उद्देश्य :** देशभर के इंजीनियरिंग छात्रों को 'डिजिटल एम्बेसेडर' के रूप में प्रशिक्षित कर टेलीकॉम जागरूकता, साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना।
- **योजना के तीन स्तंभ :** कनेक्ट, एजुकेट, इनोवेट।
- इसमें छात्र स्वयंसेवक 'संचार मित्र' के रूप में कार्य करेंगे।
- छात्रों को 5G, 6G, AI, और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक तकनीकी विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ई-ट्रक प्रोत्साहन योजना

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, प्रधानमंत्री के हरित गतिशीलता विजन के अंतर्गत भारत ने पहली बार 'ई-ट्रक प्रोत्साहन योजना' का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु :

- भारत सरकार ने पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों (ई-ट्रकों) के लिए पहली बार वित्तीय प्रोत्साहन योजना शुरू की है।
- इसका उद्देश्य स्वच्छ, कुशल और टिकाऊ माल ढुलाई को बढ़ावा देना है। डीजल ट्रक कुल वाहनों के 3% होते हुए भी 42% ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान करते हैं, जिसे कम करना योजना का लक्ष्य है।
- यह योजना N2 (3.5-12 टन) और N3 (12-55 टन) श्रेणी के ई-ट्रकों के लिए लागू होगी, जिसमें निर्माताओं द्वारा वारंटी अनिवार्य है।
- प्रोत्साहन राशि वाहन के सकल भार पर निर्भर करते हुए प्रति वाहन अधिकतम 9.6 लाख रुपये तक होगी, जो अग्रिम छूट के रूप में दी जाएगी। योजना से लगभग 5,600 ई-ट्रक आने की उम्मीद है, जिनमें दिल्ली के लिए 1,100 ई-ट्रकों पर 100 करोड़ रुपये खर्च होंगे।
- प्रमुख उद्योग जैसे सीमेंट, बंदरगाह, इस्पात और रसद इससे लाभान्वित होंगे। वोल्वो आयशर, टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड जैसे OEM पहले से ही भारत में ई-ट्रक बना रहे हैं।
- भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने 150 ई-ट्रक खरीदने और अपने बेड़े में 15% इलेक्ट्रिक वाहनों का लक्ष्य रखा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- योजना में पुराने प्रदूषणकारी ट्रकों को हटाना अनिवार्य है, जिससे वाहन बेड़े का आधुनिकीकरण और उत्सर्जन कम होगा।
- यह पहल भारत के आत्मनिर्भर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम और स्वच्छ, कम कार्बन भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मछली की एक नई प्रजाति: पेथिया डिब्रूगढ़ेंसिस

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (ICAR-CIFRI) के वैज्ञानिकों ने ब्रह्मपुत्र नदी में मछली की एक नई प्रजाति 'पेथिया डिब्रूगढ़ेंसिस' की पहचान की है।

➲ मुख्य बिंदु :

- **नामकरण:** इस मछली का नाम असम के डिब्रूगढ़ ज़िले के नाम पर रखा गया है, जहाँ यह प्रजाति पहली बार पाई गई।
- **वर्गीकरण और संबंध:** यह प्रजाति 'साइप्रिनिडी परिवार' की सदस्य है, जिसे आमतौर पर "बार्ब्स (Barbs)" कहा जाता है। यद्यपि इसमें पारंपरिक बर्बल्स (barbels) नहीं होते, लेकिन इसकी शारीरिक बनावट इसे बार्ब्स की श्रेणी में शामिल करती है।
- **आवासीय क्षेत्र:** यह एशिया, यूरोप और अफ्रीका में पाई जाने वाली छोटे से मध्यम आकार की मीठे पानी की मछलियाँ हैं। यह मछलियाँ मटमैले, रेतीले, पथरीली सतह वाले मध्यम तेज प्रवाह वाले पानी में पाई जाती है तथा वहाँ की स्थानीय मीठे पानी की अन्य प्रजातियों के साथ सह-अस्तित्व में रहती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - अपूर्ण पार्श्व रेखा (Incomplete lateral line)
  - पूँछ के पास काले रंग का स्पष्ट धब्बा
  - ह्यूमेरल चिह्न की उपस्थिति (कंधे के पास गहरा निशान)
  - बर्बल्स (barbels) का अभाव

केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CIFRI):

- यह संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अंतर्गत कार्य करती है।
- **स्थापना:** वर्ष 1947
- **मुख्यालय:** बैरकपुर, पश्चिम बंगाल
- **उद्देश्य:** भारत में अंतर्देशीय खुले जल में मत्स्य पालन के सतत प्रबंधन, जलीय जैव विविधता के संरक्षण और ग्रामीण आजीविका सृजन को बढ़ावा देना।
- **कार्य:** यह संस्थान देश में मत्स्य संसाधनों के वैज्ञानिक और व्यावहारिक प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जापोनिका राइस (चावल) की नई किस्म

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (NIPGR) के वैज्ञानिकों ने जैपोनिका चावल की किस्मों में फॉस्फेट अवशोषण को बढ़ाने के लिए 'CRISPR-Cas9' जीन संपादन तकनीक का उपयोग किया है।

मुख्य बिंदु :

- इस नवाचार से बीज की गुणवत्ता को प्रभावित किए बिना उपज में वृद्धि होगी।

फॉस्फेट:

- फास्फोरस पौधों की वृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है, लेकिन पौधों द्वारा मात्र 15-20% फास्फोरस उर्वरक ही अवशोषित होता है, जबकि शेष भाग अपवाह के कारण नष्ट हो जाता है।
- जीन-संपादित चावल की नई प्रजातियाँ उर्वरक की कम खुराक में भी उपज को 20-40% तक बढ़ा सकती हैं, जिससे कृषि में दक्षता बढ़ती है।
- शोध में चावल की जड़ों से फॉस्फेट परिवहन करने वाले ट्रांसपोर्टर OsPHO1;2 और रिप्रेसर OsWRKY6 की भूमिका पहचानी गई है, जिन्हें CRISPR-Cas9 तकनीक से संशोधित कर फॉस्फेट स्थानांतरण में सुधार किया गया।
- इससे फॉस्फेट की अवशोषण क्षमता बढ़ती है, जो अघुलनशील यौगिक बनने से बचाता है और पौधों की वृद्धि को प्रोत्साहित करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

CRISPR-Cas9:

- **क्रिस्पर कैस-9 तकनीक एक जीन एडिटिंग विधि है, जो 2012 में खोजी गई।**
- **यह जीनोम में विशेष स्थानों पर DNA को काटकर उसमें बदलाव करती है। कैस-9 एंजाइम खराब DNA को पहचान कर काटता है, जिससे आनुवंशिक रोगों का इलाज संभव होता है।**
- **यह तरीका तेज, सस्ता और अधिक सटीक है। इसकी खोज स्ट्रेप्टोकॉक्कस प्योजेंस बैक्टीरिया की प्राचीन प्रतिरक्षा प्रणाली पर आधारित है, जिसे एमैनुएल चार्पेंटियर ने 2011 में खोजा था।**

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

तीन नए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (SPR)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत सरकार देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तीन नए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (SPR) स्थापित करने की योजना बना रही है।

मुख्य बिंदु :

- भारत के पास वर्तमान में विशाखापत्तनम, मैंगलोर और पदूर में 5.33 मिलियन टन की कुल क्षमता वाले तीन SPR हैं।
- इन भंडारों का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, युद्धों या अन्य वैश्विक घटनाओं के कारण आपूर्ति में किसी भी व्यवधान से निपटना है।
- भारत ने अपनी SPR नीति में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी शामिल किया है, जिससे निजी तेल कंपनियां भंडारण सुविधाओं को पट्टे पर ले सकेंगी और कच्चे तेल का व्यापार कर सकेंगी।
- यह कदम अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) में भारत की सदस्यता के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसके लिए सदस्यों को 90 दिनों की खपत के बराबर भंडार बनाए रखने की आवश्यकता होती है।
- **तीन नए भंडार:**

1. ओडिशा के चांदीखोल,
2. राजस्थान के बीकानेर और
3. गुजरात के राजकोट

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

ग्रेट हॉर्नबिल

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **हाल ही में, केरल के कन्नूर के तटीय क्षेत्र में ग्रेट हॉर्नबिल की उपस्थिति देखी गई।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

ग्रेट हॉर्नबिल:

- **परिवार: यह बुसेरोटिडी (Bucerotidae) परिवार से संबंधित हैं।**
- **आकार: इसकी लंबाई 95–120 सेमी तथा वजन लगभग 3 किलोग्राम हैं।**
- **विशेषता: बड़ी, मुड़ी हुई पीली चोंच और उसके ऊपर स्थित खोखला कास्क (casque) इसकी मुख्य विशेषता हैं।**
- **आहार: मुख्यत: फलभक्षी (frugivorous), लेकिन छोटे जीवों का भी शिकार करता है।**
- **व्यवहार: वृक्षवासी (Arboreal), दिवाचर (Diurnal), और गैर-प्रवासी (Non-migratory)।**
- **वैश्विक स्तर पर वितरण: दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया भारत, नेपाल, भूटान, चीन, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया आदि तथा भारत में पश्चिमी घाट, पूर्वी हिमालय, पूर्वोत्तर और मध्य भारत के कुछ हिस्से में पाए जाते हैं।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सांस्कृतिक महत्व:

- **राज्य पक्षी:** केरल व अरुणाचल प्रदेश।
- **हॉर्नबिल महोत्सव (नगालैंड):** इसी के नाम पर, यह पक्षी नागा समुदाय द्वारा सबसे आदर और सम्मान के साथ देखा जाता है।

आवास (Habitat):

- उष्णकटिबंधीय व उपोष्णकटिबंधीय सदाबहार व आर्द्र पर्णपाती वन इसके मुख्य आवास हैं।
- घने पुराने पेड़ों को पसंद करता है, जिनमें प्राकृतिक गड्ढे (cavities) होते हैं।
- सामान्यत: 600–2000 मीटर ऊँचाई पर पाया जाता है।
- तटीय क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति अत्यंत दुर्लभ है।

संरक्षण स्थिति:

- **IUCN रेड लिस्ट:** संवेदनशील (Vulnerable)
- **CITES:** परिशिष्ट I
- **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (भारत):** अनुसूची-I

प्रमुख खतरे:

- शिकार, विशेषकर casque के लिए
- वनों की कटाई से प्राकृतिक आवास का विनाश

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

असम में गज मित्र योजना

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, असम सरकार द्वारा असम में आठ सबसे ज़्यादा मानव-हाथी संघर्ष वाले ज़िलों में 'गज मित्र' योजना को मंज़ूरी दी है।

SERVICES

➲ मुख्य बिंदु :

- वन्यजीव संस्थान (WII) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2000 से 2023 के बीच 1,400 से अधिक लोग और 1,209 हाथियों की मौत इस संघर्ष के चलते हुई है।
- गज मित्र योजना ग्वालपाड़ा, बक्सा, उदलगुड़ी, सोंतीपुर, नागांव, गोलाघाट, जोरहाट और विश्वनाथ ज़िलों में लागू की जाएगी।
- यह योजना राज्य के 80 ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में लागू की जाएगी, जहाँ हाथियों और लोगों के बीच अक्सर आमना-सामना होता है।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- गज मित्र योजना स्वैच्छिक सामुदायिक भागीदारी, हाथियों के आवास को पुनर्स्थापित करने और हाथियों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) कैमरे के उपयोग पर केंद्रित है।
- योजना के तहत् ग्राम प्रधानों का पारिश्रमिक 9000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 14,000 रुपये प्रति माह करने को भी मंज़ूरी दी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**इटली ने पहली बार T-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप – 2026 क्वालिफाई किया**

- वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में इटली क्वालिफाई करने वाला 26वाँ देश बना है।
- इटली की क्रिकेट टीम ने पहली बार आईसीसी वर्ल्ड कप इवेंट में जगह बनाई है।
- नीदरलैंड्स के हेग में समाप्त हुए यूरोप क्षेत्र के अंतिम क्वालिफायर टूर्नामेंट में इटली ने दूसरे स्थान पर रहते हुए शीर्ष टीम नीदरलैंड्स के साथ क्वालिफाई किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.	**MCC में सचिन की पेंटिंग** ♦ **हाल ही में, लॉर्ड्स के MCC म्यूजियम में सचिन तेंदुलकर की पेंटिंग प्रदर्शित की गई।** ♦ **यह पेंटिग स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाई गई जिसे वर्ष के अंत तक यहां प्रदर्शित किया जाएगा।** ♦ **इसके बाद लॉर्ड्स के ऐतिहासिक पवेलियन में स्थानांतरित किया जाएगा।**
3.	**'अस्त्र' मिसाइल** ♦ **हाल ही में, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30 MK-I विमान से स्वदेशी रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर युक्त बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल 'अस्त्र' का सफल परीक्षण किया है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR